University in News on 27 August 2025

HINDUSTAN PAGE 7

एलयू में दीक्षारंभ कार्यक्रम का आयोजन

लखनऊ। एलयू के रसायन विज्ञान विभाग में एमएससी प्रथम वर्ष के नव प्रवेशित छात्रों के लिए दीक्षारंभ कार्यक्रम हुआ। इसका शुभारंभ विभागाध्यक्ष प्रोफेसर वीके शर्मा ने किया। इस दौरान प्रोफेसर अनिल मिश्रा ने विद्यार्थियों को सीखने की प्रवृत्ति विकसित करने और विभाग के लैब व लाइब्रेरी से परिचित कराया। उन्हें इन संसाधनों का इस्तेमाल अपने शैक्षणिक हित में करने के लिए कहा। प्रोफेसर आशा बिश्नोई, प्रोफेसर अभिनव कुमार आदि मौजूद रहे।

एलयू के कृषि संकाय में व्याख्यान और संवाद

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में वनस्पति विज्ञान विभाग के बीरबल साहनी सभागार में कृषि संकाय के लिए दीक्षारंभ 2025 का आयोजन हुआ। कुलपति प्रो. मनुका खन्ना और कृषि संकाय की अधिष्ठाता प्रो. गौरी सक्सेना की अगुवाई में 18 से 23 अगस्त तक कार्यक्रमों में छात्रों को कृषि व संबद्ध विज्ञानों के शैक्षणिक वातावरण और अवसरों से परिचित कराने के लिए व्याख्यान, संवाद हुए।

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 3

एलयू में दर्जनों कोर्स का सीट आवंटन आज

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में परास्नातक प्रवेश प्रक्रिया के तहत एक दर्जन से ज्यादा पाठ्यक्रमों का दूसरा, तीसरा व चौथा सीट आवंटन बुधवार को जारी होगा। जिसे अभ्यर्थी अपने लॉगिन आईडी के जरिए देख सकते हैं।

प्रवेश समन्वयक प्रोफेसर अनित्य गौरव का कहना है कि एलएलएम का दूसरा, एमए हिन्दी, मनोविज्ञान, भूगोल, समाजशास्त्र, समाज कार्य, लोक प्रशासन, एमकॉम इकोनॉमिक्स, मास्टर ऑफ हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन का तीसरा, एमएससी बॉटनी, बायोटेक समेत पाठ्यक्रमों में मेरिट के अनुसार चौथा सीट अलॉटमेंट भी होगा।

लविवि के कृषि संकाय में दीक्षारंभ के साथ शुरू हुआ नया शैक्षणिक सत्र

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. मनुका खन्ना और कृषि संकाय की अधिष्ठाता प्रो. गौरी सक्सेना के नेतृत्व में मंगलवार को कृषि संकाय ने दीक्षारंभ 2025 का आयोजन किया। यह एक सप्ताह का परिचयात्मक कार्यक्रम नवप्रवेशी छात्रों के लिए वनस्पति विज्ञान विभाग के बीरबल साहनी सभागार में संपन्न हुआ। गत 18 से 23 अगस्त 2025 तक चले इस कार्यक्रम में छात्रों को कृषि एवं संबद्ध विज्ञानों के शैक्षणिक वातावरण और अवसरों से परिचित कराने के लिए व्याख्यान, संवादात्मक सत्र, सांस्कृतिक गतिविधियों और शैक्षणिक भ्रमण शामिल किए गए।

कार्यक्रम का उद्घाटन प्रो. गौरी सक्सेना ने किया। उन्होंने छात्रों का स्वागत करते हुए अनुशासन, नवाचार और समर्पण को कृषि शिक्षा का मूल आधार बताया। कार्यक्रम में प्रो. वाई.के. शर्मा (सी. बी. गुप्ता कृषि महाविद्यालय, लखनऊ) के आमंत्रित व्याख्यान, डा. प्रवीन गुप्ता और डा. अवंतिका पांडे द्वारा समन्वित शैक्षणिक भ्रमण तथा डा. अंजु बाजपेयी (प्रधान वैज्ञानिक एवं विभागाध्यक्ष, फसल सुधार, सीआईएसएच, लखनऊ) के संवादात्मक सत्र ने छात्रों को शोध एवं नवाचार की दिशा में प्रेरित किया।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

लविवि: चौथी आवंटन सूची जारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में परास्नातक प्रवेश परीक्षा-2025 की काउंसिलिंग के क्रम में एमएससी बॉटनी, बायोटेक्नोलॉजी, एमए एजुकेशन, इकोनॉमिक्स, इंग्लिश, पॉलिटिकल साइंस, बी.लिब साइंस इन सात पाठ्यक्रमों के लिए चौथी आवंटन सूची मंगलवार को जारी कर दी गई है। प्रवेश समन्वयक प्रो. अनित्य गौरव ने बताया कि सीटें सुनिश्चित करने के लिए 29 अगस्त तक फीस जमा कर दें। एलएलएम पाठ्यक्रम के लिए दूसरी आवंटन सूची मंगलवार को जारी कर दी गई है। (माई सिटी रिपोर्टर)

भारतीय प्रागैतिहासिक संस्कृति में दिखती है मानव जीवन की यात्रा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : छतर मंजिल स्थित पुरातत्व निदेशालय में चल रहे पुरातत्व अभिरुचि पाठ्यक्रम के 7वें दिन दो सत्रों में व्याख्यान आयोजित किए गए।

इस अवसर पर लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार ने भारतीय प्रागैतिहासिक संस्कृति एवं भारतीय आद्यैतिहासिक संस्कृतियां विषयों पर पीपीटी के माध्यम से व्याख्यान प्रस्तुत किए।

प्रथम सत्र में उन्होंने बताया कि भारतीय प्रागैतिहासिक संस्कृतियां मानव जीवन की प्रारम्भिक अवस्थाओं का प्रतिबिंब हैं। इस काल में पुरापाषाण, मध्यपाषाण एवं नवपाषाण संस्कृतियों का विकास हुआ, जिनमें शिकार-संग्रह से कृषि एवं पशुपालन तक की यात्रा, गुफा-निवास, सूक्ष्म उपकरणों का निर्माण, मिट्टी के बर्तन व मेगालिथिक स्मारकों (बड़े पत्थरों से बनीं संरचनाएं) का प्रचलन रहा है। प्रो. कुमार पुरातत्व निदेशालय में आयोजित पुरातत्व अभिरुचि कार्यशाला के सातवें दिन सोमवार को प्रशिक्षुओं को संबोधित कर रहे थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते प्रो. अनिल कुमार

प्रो. कुमार ने आद्यैतिहासिक काल पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इस काल में ताम्रपाषाण संस्कृतियों का उदय हुआ, जिनमें मालवा, जोर्वे एवं आहड़ संस्कृति प्रमुख हैं। इस युग में ताम्र व पत्थर दोनों का प्रयोग किया गया। जिसमें ग्राम आधारित जीवन, धातु-उपयोग और कुम्हारी कला का भी विकास हुआ। इससे पहले सहायक पुरातत्व अधिकारी डा. मनोज यादव ने अतिथि वक्ता प्रो. कुमार का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन बलिहारी सेठ ने किया।

व्याख्यान देते वक्ता।

कृषि एवं पशुपालन तक की यात्रा, गुफा-निवास, सूक्ष्म उपकरणों का निर्माण, मिट्टी के बर्तन तथा मेगालिथिक स्मारकों का प्रचलन विशेष उल्लेखनीय है।

द्वितीय सत्र में उन्होंने आद्यैतिहासिक काल पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इस काल में ताम्रपाषाण संस्कृतियों का उदय हुआ। जिनमें मालवा, जोर्वे एवं आहड़ संस्कृति प्रमुख हैं। इस युग की विशेषताएं ताम्र व पत्थर दोनों का प्रयोग, ग्राम-आधारित जीवन, धातु-उपयोग तथा कुम्हारी कला का विकास रहीं।

डॉ. कुमार ने बताया कि भारतीय प्रागैतिहासिक एवं आद्यैतिहासिक संस्कृतियां मानव जीवन की यात्रा, शिकार-संग्रह से लेकर कृषि, पशुपालन एवं ग्राम-आधारित समाज तक को दर्शाती हैं। इन संस्कृतियों की तकनीकी व सांस्कृतिक प्रगति ने आगे चलकर हड़प्पा जैसी उन्नत नगरीय सभ्यता का मार्ग प्रशस्त किया।

इस अवसर पर सहायक पुरातत्व अधिकारी डॉ. मनोज यादव ने अतिथि वक्ता को पौधा एवं स्मृति-चिन्ह प्रदान कर स्वागत एवं सम्मान किया। कार्यक्रम का संचालन प्रकाशन सहायक बलिहारी सेठ ने किया।

AMRIT VICHAR PAGE 8

कार्यक्रम | सीखने की प्रवृत्ति विकसित करने का शिक्षकों ने दिया मंत्र

कृषि विज्ञान विभाग में हुआ दीक्षारंभ

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

दीक्षारंभ कार्यक्रम में मौजूद लोग।। ● अमृत विचार

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय में नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं का दीक्षारंभ कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें छात्रों को विश्वविद्यालय के नियमों से अवगत कराने के साथ उनके विषयों के भविष्य में उपयोग की जानकारी दी गई। रसायन विज्ञान विभाग में एमएससी प्रथम वर्ष के नव प्रवेशी छात्रों के लिए दीक्षारंभ कार्यक्रम का आयोजन विभाग के ऑडिटोरियम में किया गया। विभागाध्यक्ष प्रो. वीके शर्मा ने विद्यार्थियों का स्वागत किया और उन्हें विभाग एवं विश्वविद्यालय की महत्वपूर्ण सुविधाओं से अवगत कराया। प्रो. अनिल मिश्रा ने विद्यार्थियों को सीखने की प्रवृत्ति विकसित करने और विभाग के लैब एवं लाइब्रेरी से विद्यार्थी को परिचित कराया एवं उन्हें इन संसाधनों का प्रयोग अपने शैक्षणिक हित में करने के लिए प्रेरित किया। प्रो. आशा बिश्नोई, प्रो. अभिनव कुमार, डॉ. एनके सिंह आदि शिक्षकों ने छात्रों को संबोधित किया।

विश्वविद्यालय के कृषि संकाय में दीक्षारंभ 2025 के साथ नया शैक्षणिक सत्र प्रारंभ हुआ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मनुका खन्ना और कृषि संकाय की अधिष्ठाता प्रो. गौरी सक्सेना के नेतृत्व में कृषि संकाय ने दीक्षारंभ 2025 का आयोजन किया गया। परिचयात्मक कार्यक्रम नवप्रवेशी छात्रों के लिए वनस्पति विज्ञान विभाग के बीरबल साहनी सभागार में संपन्न हुआ। छात्रों को कृषि एवं संबद्ध विज्ञानों के शैक्षणिक वातावरण और अवसरों से परिचित कराने के लिए व्याख्यान, संवादात्मक सत्र, सांस्कृतिक गतिविधियाँ और शैक्षणिक भ्रमण शामिल किए गए। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रो. गौरी सक्सेना ने किया। कार्यक्रम में प्रो. वाईके शर्मा (सीबी गुप्ता कृषि महाविद्यालय) के आमंत्रित व्याख्यान, डॉ. प्रवीन गुप्ता और डॉ. अवंतिका पांडे द्वारा समन्वित शैक्षणिक भ्रमण तथा डॉ. अंजु बाजपेयी (प्रधान वैज्ञानिक एवं विभागाध्यक्ष, फसल सुधार, सीआईएसएच) के संवादात्मक सत्र ने छात्रों को शोध एवं नवाचार की दिशा में प्रेरित किया।

JAGRAN CITY PAGE III

पीजी के 17 कोर्सों में सीट आवंटन आज

जासं ● लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय परास्नातक के 17 कोर्सों में अलग-अलग सीट आवंटन बुधवार को जारी किया जाएगा। इसमें एमए सोशल वर्क, मास्टर आफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, एम.एससी बायोकेमिस्ट्री, एम.काम अप्लाइड इकोनामिक्स, एम.ए सोशियोलाजी, एम.ए जाग्रफी, एम.ए साइकोलाजी, एम.ए हिंदी, हास्पिटल मैनेजमेंट में तीसरा, एलएलएम में दूसरा, एम.एससी बाटनी, एम.एससी बायोटेक्नोलाजी, एम.ए इकोनामिक्स, एम.ए एजुकेशन, एमए अंग्रेजी, एम.ए पालीटिकल साइंस व बीलिबएससी में चौथा सीट आवंटन होगा। अभ्यर्थियों को 29 अगस्त तक फीस जमा करनी होगी।

'प्रागैतिहासिक संस्कृतियां हमारी प्रारंभिक अवस्थाओं का हैं प्रतिबिंब'

जागरण संवाददाता ● लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व विभाग के अध्यक्ष प्रो. अनिल कुमार ने कहा कि भारतीय प्रागैतिहासिक संस्कृतियां मानव जीवन की प्रारंभिक अवस्थाओं का प्रतिबिंब हैं। इस काल में पुरापाषाण, मध्यपाषाण एवं नवपाषाण संस्कृतियों का विकास हुआ, जिनमें शिकार-संग्रह से कृषि एवं पशुपालन तक की यात्रा, गुफा-निवास, सूक्ष्म उपकरणों का निर्माण, मिट्टी के बर्तन व मेगालिथिक स्मारकों (बड़े पत्थरों से बनीं संरचनाएं) का प्रचलन रहा है। प्रो. कुमार पुरातत्व निदेशालय में आयोजित पुरातत्व अभिरुचि कार्यशाला के सातवें दिन सोमवार को प्रशिक्षुओं को संबोधित कर रहे थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते प्रो. अनिल कुमार

प्रो. कुमार ने आद्यैतिहासिक काल पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इस काल में ताम्रपाषाण संस्कृतियों का उदय हुआ, जिनमें मालवा, जोर्वे एवं आहड़ संस्कृति प्रमुख हैं। इस युग में ताम्र व पत्थर दोनों का प्रयोग किया गया। जिसमें ग्राम आधारित जीवन, धातु-उपयोग और कुम्हारी कला का भी विकास हुआ। इससे पहले सहायक पुरातत्व अधिकारी डा. मनोज यादव ने अतिथि वक्ता प्रो. कुमार का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन बलिहारी सेठ ने किया।

लवि : कृषि संकाय में शुरू हुईं नए सत्र की कक्षाएं

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में इस सत्र से पहली बार कृषि की पढ़ाई शुरू हो गई। कृषि संकाय अध्यक्ष प्रोफेसर गौरी सक्सेना ने बताया कि अभी बी.एससी कृषि प्रथम सेमेस्टर की कक्षाएं वनस्पति विज्ञान विभाग में संचालित की गई हैं। जल्द ही इसे ओएनजीसी भवन में शिफ्ट किया जाएगा। वहां पर लैब आदि की सुविधा भी दी जाएगी। (जासं)

सीखने की हो प्रवृत्ति

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग में एमएस.सी प्रथम वर्ष के नए विद्यार्थियों के लिए दीक्षारंभ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विभागाध्यक्ष प्रो. वीके शर्मा ने विभाग एवं विश्वविद्यालय की महत्वपूर्ण सुविधाओं के बारे में बताया। (जासं)

लवि : अब 30 तक रैंकिंग के लिए होंगे आवेदन

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने अंतर विभागीय रैंकिंग में आवेदन के लिए अब 30 अगस्त तक समय सीमा बढ़ा दी है। इस संबंध में सूचना जारी की गई है। अभी तक 25 अगस्त तक आवेदन का मौका दिया गया है। विभागों को आवेदन फार्म अधिष्ठाता शैक्षणिक के पास जमा करना है।

परास्नातक प्रवेश के लिए तीसरे आवंटन का परिणाम आज

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने परास्नातक सत्र 2025-26 के अंतर्गत संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों की ऑनलाइन काउंसलिंग के तहत तृतीय आवंटन, अपग्रेडेशन का परिणाम जारी करने की घोषणा की है। विश्वविद्यालय के अनुसार मेरिट के आधार पर सीट आवंटन किया गया है। जिसमें मास्टर आफ सोशल वर्क, पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, एमएससी बायोकेमेस्ट्री, एमकॉम अप्लाइड इकोनोमिक्स, एमए समाजशास्त्र, मनोविज्ञान, भूगोल पाठ्यक्रमों का सीट आवंटन किया गया है। यह परिणाम आज दोपहर 12 बजे के बाद से अभ्यर्थियों के लॉगिन पोर्टल पर उपलब्ध रहेगा। अभ्यर्थियों को निर्देशित किया गया है कि वे 29 तक अपनी सीट की पुष्टि हेतु ऑनलाइन शुल्क अवश्य जमा कर दें।

परास्नातक प्रवेश दूसरी लिस्ट आज

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने परास्नातक सत्र 2025-26 के अंतर्गत संचालित पाठ्यक्रम एलएलएम की ऑनलाइन काउंसलिंग के तहत द्वितीय आवंटन का परिणाम जारी करने की घोषणा की है। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार अभ्यर्थियों के मेरिट के आधार पर सीटों का आवंटन किया जा चुका है। यह परिणाम 27 अगस्त को दोपहर 12 बजे के बाद से अभ्यर्थियों के लॉगिन पोर्टल पर उपलब्ध रहेगा। आवंटन देखने के लिए अभ्यर्थी को अपने अप्लीकेशन फार्म नंबर का उपयोग करना होगा।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

लविवि के कृषि संकाय में दीक्षारंभ के साथ नया शैक्षणिक सत्र शुरू

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लविवि के कुलपति प्रो. मनुका खन्ना और कृषि संकाय की अधिष्ठाता प्रो. गौरी सक्सेना के नेतृत्व में कृषि संकाय ने दीक्षारंभ 2025 का आयोजन किया। यह एक सप्ताह का परिचयात्मक कार्यक्रम नवप्रवेशी छात्रों के लिए वनस्पति विज्ञान विभाग के बीरबल साहनी सभागार में संपन्न हुआ।

यह कार्यक्रम 18 से 23 अगस्त तक चला, जिसमें छात्रों को कृषि एवं संबद्ध विज्ञानों के शैक्षणिक वातावरण और अवसरों से परिचित कराने के लिए व्याख्यान, संवादात्मक सत्र, सांस्कृतिक गतिविधियां और शैक्षणिक भ्रमण शामिल किए गए। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रो. गौरी सक्सेना ने किया। उन्होंने छात्रों का स्वागत करते हुए अनुशासन, नवाचार और समर्पण को कृषि शिक्षा का मूल आधार बताया। कार्यक्रम में प्रो. वाईके शर्मा (सीबी गुप्ता कृषि महाविद्यालय) के आमंत्रित व्याख्यान, डॉ. प्रवीन गुप्ता और डॉ. अवंतिका पांडे द्वारा समन्वित शैक्षणिक भ्रमण तथा डॉ. अंजु बाजपेयी (प्रधान वैज्ञानिक एवं विभागाध्यक्ष, फसल सुधार, सीआईएसएच) के संवादात्मक सत्र ने छात्रों को शोध एवं नवाचार की दिशा में प्रेरित किया। परिचयात्मक गतिविधियों के साथ-साथ, नियमित सैद्धांतिक कक्षाएं और प्रायोगिक सत्र भी प्रारंभ कर दिए गए, जिससे छात्रों ने प्रयोगशालाओं और कक्षाओं में व्यावहारिक अनुभव के साथ अपनी शैक्षणिक यात्रा शुरू की।

यूरोपीय भाषाएँ विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय के आमंत्रित व्याख्यान से हुआ। उन्होंने छात्रों को आत्मविश्वास, संवाद कौशल और सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने के लिए प्रेरित किया। परिचयात्मक गतिविधियों के साथ-साथ, नियमित सैद्धांतिक कक्षाएं और प्रायोगिक सत्र भी प्रारंभ कर दिए गए, जिससे छात्रों ने प्रयोगशालाओं और कक्षाओं में व्यावहारिक अनुभव के साथ अपनी शैक्षणिक यात्रा शुरू की।